श्री शिवस्तुति

कैलासराणा शिव चंद्रमौळी | फणींद्र माथा मुकुटी झळाळी |
कारुण्यसिंधू भवदु:खहारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || १||

रवींदु दावानल पूर्ण भाळी | स्वतेज नेत्री तिमिरांध जाळी |
ब्रम्हांडधीशा मदनांतकारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || २ ||

जटा विभूती उटी चंदनाची | कपालमाला प्रित गौतमीची |
पंचानना विश्वनिवांतकारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || ३ ||

वैराग्ययोगी शिव शूलपाणी | सदा समाधी निजबोधवाणी |
उमाविलासा त्रिपुरांतकारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || ४ ||

उदार मेरू पति शैलजेचा | श्री विश्वनाथ म्हणती सुरांचा |
दयानिधी तो गजचर्मधारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || ५ ||

ब्रम्हादि वंदी अमरादिनाथ | भुजंगमाला धरि सोमकांत |
गंगा शिरी दोष महा विदारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || ६ ||

कर्पूरगौरी गिरि़जा विराजे | हळाहळे कंठ निळाचि साजे |
दारिद्र्यदु:खें स्मरणे निवारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || ७ ||

स्मशानक्रीडा करिता सुखावे | तो देवचुडामणि कोण आहे |
उदासमुर्ती जटाभस्मधारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || ८ ||

भूतादिनाथ अरि अंतकाचा | तो स्वामी माझा ध्वज शांभवाचा |
राजा महेश बहुबाहुधारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || ९ ||

नंदी हराचा हरि नंदिकेश | श्रीविश्वनाथ म्हणती सुरेश |
सदाशिव व्यापक तापहारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || १० ||

भयानक भीम विक्राळ नग्न | लीलाविनोदे करि काम भग्न |
तो रुद्र विश्वंभर दक्ष मारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || ११ ||

श्री शिवस्तुति

इच्छा हराची जग हे विशाळ | पाळी सुची तो करि ब्रम्हगोळ |
उमापती भैरव विघ्नहारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || १२ ||

भागीरथीतीर सदा पवित्र | जेथें असे तारक ब्रम्हामंत्र |
विश्वेश विश्वंभर त्रिनेत्रधारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || १३ ||

प्रयाग वेणी सकळा हराच्या | पादारविंदी वहाती हरीच्या |
मंदाकिनी मंगल मोक्षधारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || १४ ||

कीर्ती हराची स्तुती बोलवेना | कैवल्यदाता मनुजा कळेना |
एकाग्रनाथ विष अंगिकारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || १५ ||

सर्वांतरी व्यापक जो नियंता | तो प्राणलिंगाजवळी महंता |
अंकी उमा ते गिरिरूपधारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || १६ ||

सदा तपस्वी असे कामधेनू | सदा सतेज शशिकोटिभानू |
गौरीपती जो सदा भस्मधारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || १७ ||

कर्पूरगौरी स्मरल्या विसावा | चिंता हरी जो भजका सदैवा |
अंती स्वहीत सूचना विचारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || १८ ||

विरामकाळी विकळ शरीर | उदास चित्ती न धरीच धीर |
चिंतामणी चिंतने चित्तहारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || १९ ||

सुखवसानें सकळे सुखाची | दुःखवसाने टळती जगाची |
देहावसानी धरणी थरारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || २० ||

अनुहत शब्द गगनीं न माय | त्याचेनि नादे भाव शून्य होय |
कथा निजांगे करुणा कुमारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || २१ ||

शांति स्वलीला वदनी विलासे | ब्रम्हांडगोळी असुनी न दिसे |
भिल्ली भवानी शिव ब्रम्हचारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || २२ ||

श्री शिवस्तुति

पितांबरे मंडित नाभि ज्याची | शोभा जडीत वरि किंकिणीचि |
श्रीदेवदत्त दुरितांतकारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || २३ ||

जिवा-शिवाची जडली समाधी | विटला प्रपंची तुटली उपाधी |
शुद्धस्वरे गर्जति वेद चारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || २४ ||

निधानकुंभ भरला अभंग | पहा निजांगे शिव ज्योतिर्लिंग |
गंभीर धीर सुर चक्रधारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || २५ ||

मंदार बिल्वे बकुलें सुवासी | माला पवित्र वहा शंकरासी |
काशीपुरी भैरव विश्व तारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || २६ ||

जाई जुई चंपक पुष्पजाती | शोभे गळा मालतिमाळ हाती |
प्रतापसूर्यशरचापधारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || २७ ||

अलक्ष्यमुद्रा श्रवणी प्रकाशे | संपूर्ण शोभा वदनी विकासे |
नेई सुपंथे भवपैलतीरी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || २८ ||

नागेशनामा सकळा झिव्हाळा | मना जपे रें शिमंत्रमाळा |
पंचाक्षरी ध्यान गुहाविहारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || २९ ||

एकांति ये रे गुरुराज स्वामी | चैतन्यरुपी शिव सौख्य नामी |
शिणलो दयाळा बहुसाल भारी | तुजवीण शंभो मज कोण तारी || ३० ||

शास्त्राभ्यास नको श्रुती पढू नको तीर्थासि जाऊ नको |
योगाभ्यास नको व्रते मख नको तीव्रे तपे ती नको |
काळाचे भय मानसी धरू नको दृष्टास शंकू नको |
ज्याचीया स्मरणे पतीत तरती तो शंभु सोडू नको || ३१ ||